[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1333 **D** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 205301

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Name of the Paper : प्रश्नपत्र VII : हिन्दी साहित्य का इतिहास : मध्यकाल तक

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आदिकालीन साहित्य की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

रासो काव्य की प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

2. भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. सूफी काव्य का प्रवृत्तिगत विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

रामकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

4. रीतिकाल की विभिन्न प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए उसका मूल्यांकन कीजिए। (15)

P.T.O.

अथवा

रीतिकालीन कवियों के अभिव्यंना कौशल पर विचार कीजिए।

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) संतकाव्यधारा

(ख) भक्त कवियों की नारी विषयक दृष्टि (8)

6. रीतिकालीन भक्तिकाव्य **अथवा** रीतिमुक्त काव्य का परिचय लिखिए। (7)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1334 **D** **आपका अनुक्रमांक...............**

Unique Paper Code	: 205302
Name of the Course	: **B.A. (H) Hindi**
Name of the Paper	: Sahitya-Chintan 2 (Paper VIII)
Semester	: III

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. उपन्यास का आशय स्पष्ट करते हुए तत्वों के आधार पर उसका विवेचन कीजिए।

अथवा

प्रगीतात्मक कविता से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए। (15)

2. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) मुक्तछंद

(ख) एकांकी (7)

3. 'लोकमंगल' की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रतीक से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए। (10)

4. आधुनिकता एवं आधुनिक बोध का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विडंबना का आधार विसंगति है ? समझाइए। (10)

P.T.O.

5. रूप और वस्तु की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विभावन व्यापार से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण चर्चा कीजिए। (10)

6. प्रेमचंद ने साहित्य की किन नयी मान्यताओं को प्रस्तावित किया हैं और क्यों ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल के 'काव्य में लोकमंगल' शीर्षक निबंध की मुख्य स्थापनाओं का विवेचन कीजिए। (15)

7. डॉ. नगेंद्र के अनुसार 'आधुनिक' शब्द किन तीन अर्थों में प्रयुक्त होता है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

निम्नांकित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"इस मानवतावाद के दो प्रधान लक्षण हैं - - 1. मनुष्य की महिमा और मानवीय मूल्यों में विश्वास, तथा 2. मनुष्य के मर्त्य जीवन को किसी प्रकार के पापफल का परिणाम न समझकर इसे इसी दुनिया में दुःख-शोक से बचाना और इसी दुनिया में सुख-समृद्धि से युक्त करना। यह दूसरी बात उन सब पुरानी वैरागी मनोभावनाओं का प्रत्याख्यान करती है जो शरीर का नाना कृच्छाचारों से तापित करके किसी अनन्त शाश्वत सुख की ओर मनुष्य को प्रवृत्त करती है और इस जीवन का संपूर्ण रूप में उपभोग करने की प्रवृत्ति को प्रश्रय देती है।" (*आधुनिक साहित्य नयी मान्यताएँ*, हजारी प्रसाद द्विवेदी)

(i) 'मनुष्य की महिमा और मानवीय मूल्यों में विश्वास' से द्विवेदी जी का क्या आशय है ?

(ii) रेखांकित अंश का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। (4 + 4)